Title: Need to protect the party workers belonging to Shiv Sena from the atrocities.

श्री मोहन रावले : अध्यक्ष महोदय, मुम्बई शहर में, महाराष्ट्र में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद, हमारे कार्यकर्ताओं पर हमला हो रहा है और वहां जातीय दंगे भी शुरू हो गए हैं। इससे पहले जब भारतीय जनता पार्टी और शिव सेना की सरकार थी तो प्रदेश में एक भी जातीय दंगा नहीं हुआ था। कल मुम्बई शहर में हमारे शाखा प्रमुख अपने कार्यालय में बैठकर लोगों की सेवा कर रहे थे तो उन पर हमला करके उनकी हत्या कर दी गई। इससे पहले इनके राज में जनता द्वारा चुने गए हमारे एक विधायक पर भी हमला हुआ था।

SHRI K.P. SINGH DEO (DHENKANAL): Mr. Speaker, Sir, are we going to discuss all the State problems here? We are setting a bad precedent, Sir.

श्री मोहन रावले : आपने भी स्टेट सब्जेक्ट उठाया था, तब कुछ नहीं कहा। आज महाराष्ट्र में वहां के गृह मंत्री ने हमारे कार्यकर्ताओं को खत्म करने का ऐलान किया है। हमारे कार्यकर्ताओं की जान खतरे में है, क्योंकि इनका जुल्मी राज शुरू हो गया है। जिन लोगों ने दंगा किया था, वही आज बहस कर रहे हैं। हिन्दुस्तान के माजी गृह मंत्री, जो इनकी पार्टी के थे, श्री एस.बी. चव्हाण, उन्होंने एक बार आरोप लगाया था कि मुम्बई शहर में जो दंगा हुआ था, वह पूर्व रक्षा मंत्री शरद पवार ने कराया था।

SHRI K.P. SINGH DEO : Sir, is it going on record? We will be setting a bad precedent.

MR. SPEAKER: The problem is that all the State matters are being raised during the `Zero Hour".

श्री मोहन रावले : आज हमारे कार्यकर्ता मारे जा रहे हैं। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि उनको संरक्षण मिलना चाहिए, क्योंकि इनके गृह मंत्री जी ने वक्तव्य दिया है कि शिव सेना के कार्यकर्ताओं को समाप्त किया जाए। इसलिए अध्यक्ष महोदय हम आपका संरक्षण चाहते हैं।

13.00 hrs.

MR. SPEAKER: Shri Rawle, I have allowed you. It is up to the Government now.

... (Interruptions)

श्री मोहन रावले : केन्द्रीय सरकार के गृह मंत्री और प्रधान मंत्री जी बैठे हैं, हम उनसे निवेदन करना चाहते हैं और अपेक्षा करते हैं तथा उनसे आश्वासन चाहते हैं।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : महोदय, मध्य प्रदेश के साथ-साथ दिल्ली को भी शामिल किया जाए। दिल्ली के अन्दर भी सरकारी कर्मचारियों ने कारगिल के लिए दान कांग्रेस प्रेजीडेंट के नाम से दिया है। इसलिए दिल्ली की जांच को भी शामिल किया जाए। ... (व्यवधान)